Date
20/04/2020

Subject - शान्ति शिक्षा एवं सतत विकास
(Ch - 7 ->)
Topic - Violence
(हिंसा)

D.El.Ed. 4th Sem

हिंसा का शाब्दिक अर्थ :-
Meaning of violence :- (कष्ट देना, पीड़ा देना)

हिंसा से तात्पर्य प्रत्येक उस क्रिया से है जो किसी भी व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक क्षति पहुंचाने के अभिप्राय से की जाती है।
अतः किसी भी व्यक्ति को तन, मन, कर्म और वाणी से क्षति पहुंचाना हिंसा कहलाती है।
जैसे - मारपीट करना, कटु शब्द कहना, हत्या करना, बलात्कार करना इत्यादि।

हिंसा की परिभाषा

डा० एस० के० दुबे के अनुसार — "हिंसा शक्ति के दुरुपयोग की वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति या समूह के द्वारा दूसरे व्यक्ति या समूह को शारीरिक एवं मानसिक रूप से हानि पहुंचायी जाती है और इसे एक समाज-विरोधी कार्य एवं अवांछनीय व्यवहार के रूप मे माना जाता है।"

→ P.T.O.

Scanned with CamScanner

हिंसा के कार्य :-

(1) हिंसा विनाश का वातावरण तैयार करती है।
(2) हिंसा जीवन का विनाश करती है।
(3) हिंसा के कारण धन की हानि होती है।
(4) हिंसा सामाजिक असन्तुलन उत्पन्न करती है।
(5) हिंसा के कारण मानसिक अशान्ति का अनुभव होता है
(6) हिंसात्मक गतिविधियो से पर्यावरणीय असन्तुलन उत्पन्न होता है।
(7) हिंसात्मक गतिविधियां भेदभाव की स्थिति उत्पन्न करती है।
(8) हिंसात्मक गतिविधियों की दो देशों के मध्य युद्ध मे भी प्रथम भूमिका होती है।
(9) हिंसा असन्तोष का वातावरण उत्पन्न करती है।
(10) हिंसा के कारण रचनात्मकता की समाप्ति हो जाती है।

हिंसा के प्रकार

हिंसा के प्रमुख प्रकार निम्नलिखित है-

(1) मौखिक हिंसा → मौखिक हिंसा के रूप - अपमानित करना, धमकी देना, गाली देना।

(2) मनोवैज्ञानिक हिंसा → दबाव डालकर किसी कार्य को कराना, या कपटपूर्ण ढंग से व्यक्ति को मानसिक आघात पहुंचाना,

(3) शारीरिक हिंसा → शारीरिक चोट पहुचाँना, हत्या कर देना, शारीरिक कष्ट देना, धक्का देना, चाकू मारना इत्यादि।

(4) ढांचागत हिंसा → आयु के आधार पर, जातीय एवं साम्प्रदायी आधार पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार करना।

(5) लोकप्रिय संस्कृति मे अश्लीलता → अश्लील नृत्य, वस्त्र व प्रेम सम्बन्धो द्वारा संस्कृति को क्षति पहुंचाना

Scanned with CamScanner